

॥ अंतरी पेटू ज्ञानज्योत ॥

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

प्राकृत प्रमाणपत्र - पदविका अभ्यासक्रम

१] प्राकृत प्रमाणपत्र परीक्षा -

विभाग पहिला "साङ्गमग्र" - पुणे विद्यापीठ प्रकाशन गुण - ८०
विभाग दुसरा - तोंडी परीक्षा गुण - २०

२] प्राकृत कनिष्ठ पदविका -

विभाग पहिला - साङ्गमग्रमाला - पुणे विद्यापीठ प्रकाशन गुण - ८०
विभाग दुसरा - तोंडी परीक्षा गुण - २०

३] प्राकृत वरिष्ठ पदविका -

पहिले वर्ष - साङ्गमग्र - उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ प्रकाशन गुण - १००
पेपर - I

पेपर - II जनरल प्राकृत

विभाग - I १] उपयोजित वाक्यरूप गुण - ३२

२] अध्यात्मिक, ऐतिहासिक, पौराणीक टिपा - गुण - १२

३] वाहेरील भाषांतर गुण - १२

४] क्रमिक पुस्तकातील वाक्ये- ग्रथकर्ते - त्यांचे कार्य

गुण - १२

५] भाषांतर

गुण - १२

विभाग - II तोंडी परीक्षा

गुण - २०

11 अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत 11

उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगांव.

प्राकृत वरिष्ठ पदविका द्वारे वर्ष

अभ्यासक्रम जून, १९९० पासून

पेपर - I - विभाग पहिला

अ] अजिणायवर्णजयदुतंतु - स्वयंभूदेव

गुण - ४०

ब] अभयखाण - आम्रदेवतुरी [संपादक-सम. स्त. रणदिदे - तातारा]

गुण - ४०

विभाग दुसरा - तोंडी

गुण - २०

पेपर - II - विभाग पहिला

अ] वारताणुदेखा - कुंदकुंदाचार्य

गुण - ४०

ब] पत्तेजगुधकथा - संपादक - प्रा. वी. वी. भगरे

गुण - ४०

विभाग दुसरा - तोंडी परीक्षा

सातारा

गुण - २०

पेपर - III - विभाग पहिला

अ] नासाधमकाळा - १६ वा अध्याय

गुण - ४०

ब] उत्तराध्यायनतंत्र - अध्याय १, ८, २, १३, १४, २३ व २४

शिवाजी विद्यापीठ प्रकाशन

गुण - ४०

विभाग दुसरा - तोंडी

गुण - २०

प्राकृत पदविका तितारे वर्ष -

पेपर पहिला - विभाग पहिला

अ] नलका - सोमराज आचार्य

गुण - ४०

संपादक - स्त. रण. रणदिदे. तातारा.

ब] दण्डालगर्ग - १ ते १४ दण्डा

गुण - ४०

विभाग दुसरा - तोंडी

गुण - २०

पेपर - II - प्राकृत तांडिल्याचा इतिहास

अ] १] श्वेतांबर आर्य इतिहास

गुण - ४५

२] महाकावे - लीलापाई कुमारपालचार्य

गडकरी मद्रासचरित्र

३] हेमचंद्र, देवाधिगणी, इरिभद्रपुरी, सुष्यदंत, करकंडचरित

ब] गाथातप्तमाली - पहिले शतक

गुण - ४५

पुढील गाथा दगडून

५, २०, २२, ३१, ४४, ५५, ५६, १००.

विभाग दुसरा - तोंडी -

गुण - २०

..... २

पेपर - III - तिष्ठत्येव शब्दानुशासन ८ वा अध्याय

- | | |
|----------------------------------------------------------------|----------|
| १] केशी तत्सम व तदंशतः शब्द | गुण - १० |
| २] स्वर, आदि, मध्य व अन्त्य व्यंजने | गुण - १० |
| ३] विशेष वदत | गुण - १० |
| १] स्वरवृत्ती | |
| २] केषलोडरण | |
| ३] अर्णागत | |
| ४] अर्णोप | |
| ५] तवर्णोप | |
| ६] वर्ण विपरिः | |
| ७] तंभ्रसारण | |
| ४] संस्कृत- प्राकृत व प्राकृत - १ संस्कृत शब्द स्तांतर | गुण - ०५ |
| ५] गागधी, अर्धगागधी, शौरतेनी व महाराष्ट्री
भाषांची लैशिब्डे | गुण - १० |
| ६] प्राकृत परिच्छेदाचे भाषांतर | गुण - ०८ |
| ७] अर्धगागधीमध्ये निबंध लेखन | गुण - ०७ |
| ८] अजप्रभा गाथाचे भाषांतर | गुण - २० |
| निःभाग हुतरा - तोंडे - | गुण - २० |